राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में आईसीटी की भूमिका

सुरेंद्र कुमार
शोधार्थी
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

सार:

आजकल, आईसीटी और शिक्षा विद्यार्थी के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान परिदृश्य में, जहाँ कोविड पूरी दुनिया में फैला हुआ है। आईसीटी के कारण विद्यार्थी अपने घर से ही अपनी पढ़ाई जारी रख पा रहे हैं। विद्यार्थियों की बेहतरी के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बनाई गई है और डिजिटल उपकरणों की भागीदारी के बिना विद्यार्थियों के लिए अपना करियर बनाना संभव नहीं है।

इस दौर में, डिजिटल उपकरण और डिवाइस उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डिजिटलीकरण ने उनके काम को आसान बना दिया है और आईसीटी डिवाइस और इंटरनेट की मदद से बिना किसी मेहनत के उनके हाथों में सब कुछ उपलब्ध करा दिया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने पिछली शिक्षा नीति में कई बदलाव करके विद्यार्थियों की सीखने की आदत को बिना सोचे समझे याद करने की आदत से संज्ञानात्मक और प्रयोगात्मक सीखने की ओर बदलने की कोशिश की है। ताकि विद्यार्थियों का भविष्य सुरक्षित और अच्छा हो।

1. एनईपी 2020

एनईपी 2020 छात्रों के अपने-अपने विषय में समग्र विकास और उन्हें भविष्य में सफल उद्यमी बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह रटने की बजाय छात्रों के बौद्धिक सीखने और कौशल विकास पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पारंपरिक शिक्षा सोनी संरचनात्मक ढांचे को तोड़ती है। क्योंकि यह छात्रों के लिए पारंपरिक शिक्षा यानी छात्रों द्वारा एक ही विषय सीखने के बजाय बहु-विषयक विद्वान सीखने की बात करती है।

कोविड के दौरान जारी की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने आईसीटी उपकरणों और तकनीक की मदद से ऑनलाइन शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया। इसे छात्रों और शिक्षकों की बेहतरी के लिए तैयार किया गया है।

यह छात्रों द्वारा कौशल विकास और बहु-विषयक ज्ञान प्राप्त करने पर केंद्रित है। यहां आईसीटी उपकरण और तकनीक इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

2. डिजिटल शिक्षा का लाभ

i. डिजिटलीकरण छात्रों को रिकॉर्ड किए गए व्याख्यान प्रदान कर सकता है, ताकि जब भी वे खाली हों तो वे इसे देख सकें और अपना ज्ञान बढ़ा सकें।

ii. डिजिटल शिक्षण सामग्री संबंधित वेबसाइटों पर 24X7 उपलब्ध है

iii. डिजिटल शिक्षण/शिक्षण शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच बहुत ही जोड़ने वाला दृष्टिकोण है-क्योंकि छात्र अध्याय पूरा होने के बीच में बिना किसी व्यवधान के व्हाट्सएप के माध्यम से कई शंकाएँ और समाधान पूछ सकते हैं और शिक्षक जटिल चीजों को आसान बनाने के लिए ऑनलाइन मूल्यांकन और उपस्थिति ले सकते हैं।

iv. डिजिटल शिक्षण व्यावहारिक दृष्टिकोण है जो हर चीज के लिए पूरी तरह से दूसरे पर निर्भर रहने के बजाय करके सीखने का तरीका है।

v. डिजिटलीकरण छात्रों और शिक्षकों को डिजिटल तकनीक और अनुप्रयोगों से परिचित होने में मदद करता है।

vi. यह छात्रों को सीखने के लिए व्यापक विकल्प प्रदान करता है, क्योंकि विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा सामग्री उपलब्ध है। शिक्षार्थी उस अवधारणा को अपना सकता है जिसे समझने में वह सहज है।

vii. शिक्षक के लिए बिना अधिक प्रयास के आसानी से परिणाम के रूप में छात्र के प्रदर्शन को ट्रैक करना लाभदायक और आसान है।

3. डिजिटलीकरण शिक्षा क्षेत्र की चुनौतियाँ

i. कई क्षेत्रों में लोग अपनी पिछली कार्यशैली में सहज हैं, डिजिटलीकरण की शुरूआत उनके सहजता को प्रभावित कर सकती है ताकि इस तरह के बदलाव से बचा जा सके, और वे आईसीटी का उपयोग करने से बचें।

ii. प्रौद्योगिकी को अपनाने के लिए कुशल कर्मियों की आवश्यकता है।

iii. केवल प्रशिक्षित और कुशल व्यक्ति को ही काम पर रखा जा सकता है।

iv. प्रौद्योगिकी को डिजिटल रूप से अपनाना जोखिम भरा है क्योंकि विशेषज्ञता के बिना गोपनीयता की कमी हो सकती है।

v. स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय को अच्छी तरह से स्थापित नेटवर्क अवसंरचना की आवश्यकता है।

4. एनईपी 2020-आईसीटी पाठ्यक्रम

i. यह युवा शोधकर्ताओं/शिक्षाविदों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए आईसीटी की शुरूआत पर केंद्रित है।

ii. यह सभी स्तरों पर शिक्षा की अच्छी गुणवत्ता बनाता है,

iii. एनईपी 2020 का उद्देश्य ज्ञान के संबंध में भारत में सुपर शक्तिशाली शिक्षाविद बनाना है,

iv. एनईपी 2020 में भाषा नकारात्मक कारक प्रतीत होती है।

5. सरकार की डिजिटल पहल

i. स्वयं: यह एमएचआरडी और एआईसीटीई द्वारा विकसित एक मंच है। यह छात्रों को गुणात्मक शिक्षा के लिए ओपन एक्सेस कोर्स है।

ii. स्वयं प्रभा: यह उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रों के लिए 24X7 उपलब्ध कार्यक्रम है। यह शिक्षा को प्रसारित करने के लिए 32 डीटीएच चैनलों का समूह है।

iii. राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी: NMEICT ने इस कार्यक्रम की शुरुआत की, यह छात्रों को एक मंच के तहत आभासी अध्ययन सामग्री प्रदान करता है। सामग्री वीडियो, पुस्तकों, व्याख्यानों और लेखों में हो सकती है

6. साहित्य की समीक्षा

(चक्रवर्ती, 2022) ने शोधपत्र में कहा कि आईसीटी छात्रों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह छात्रों के बीच अच्छा सीखने का माहौल बनाता है और यह केवल छात्रों द्वारा अपने सीखने के तरीकों में आईसीटी को अपनाने से ही संभव है।

(बोनिनी, 2020) का कहना है कि शैक्षणिक संस्थान में आईसीटी को अपनाने से छात्रों को अवधारणाओं को डिजिटल रूप से सीखने में मदद मिलती है और वे अच्छे निर्णय ले सकते हैं, इस तरह के सीखने से उत्पन्न आउटपुट गुणवत्ता आधारित और व्यापक होगा।

ह्रास्टिंस्की और एकमैन राइजिंग, 2020) ने बताया है कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) न केवल डिजिटल सीखने पर ध्यान केंद्रित करती है बल्कि डिजिटल तकनीक और अंतर्निहित अच्छे संचार की मदद से डिजिटल शिक्षा के संबंध में डिजिटल सामग्री और अनुप्रयोग में सुधार भी करती है।

(चाय एट अल।, 2010) ने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि जैसा कि उपरोक्त अध्ययन कहता है कि आईसीटी सीखने में सुधार करने में मदद करता है लेकिन यह शोधपत्र कहता है कि शिक्षकों के लिए प्री सर्विस की तैयारी भी निम्नलिखित तरीकों से महत्वपूर्ण है जैसे कि तकनीकी ज्ञान, शिक्षण कौशल, संसाधन और आईसीटी की मदद से सामग्री विकास में सुधार करना।

(वाट्स, 2016) इस अध्ययन में दूरस्थ शिक्षा का दायरा बढ़ रहा है

क्योंकि यह छात्रों के लिए दुनिया भर से कक्षाओं से जुड़ने के लिए अधिक लचीला दृष्टिकोण है, इसलिए शिक्षक शिक्षण के समकालिक और अतुल्यकालिक दृष्टिकोण का उपयोग कर रहे हैं।

(हॉर्सपूल और लैंग, 2012) ने शोधपत्र में कहा कि चूंकि ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षण के दो तरीके हैं। इन दो तरीकों के संबंध में छात्रों की धारणा के तुलनात्मक अध्ययन में छात्रों द्वारा उपयोग किया जाने वाला सबसे पसंदीदा तरीका ऑनलाइन है क्योंकि इससे समय की बचत होती है।

(ब्रश एट अल., 2008) शोधपत्र के माध्यम से बताया गया कि आईसीटी शिक्षा के क्षेत्र में स्थिरता लाता है। चूंकि छात्रों को सभी के लिए खुली पहुंच के साथ मुफ्त सामग्री उपलब्ध है और वे डिजिटलीकरण की मदद से नई चीजें खोजने और खोजने में सक्षम हैं और इंटरनेट की मदद से किसी भी प्रकार की समस्या का समाधान कर सकते हैं।

7. आईसीटी के संबंध में एनईपी की संस्तुति:

- अच्छा डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करना
- ऑनलाइन शिक्षण और सीखने के उपकरण उपलब्ध कराना
- वर्चुअल लैब बनाना
- समय-समय पर शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था करना
- ऑनलाइन मूल्यांकन और परीक्षा अपनाना

8. निष्कर्ष

छात्रों और शिक्षकों के समग्र विकास के लिए आईसीटी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा कई पोर्टल खोले गए हैं। डिजिटलीकरण को अपनाने के कई फायदे और नुकसान हैं। एनईपी 2020 ने छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए शिक्षा क्षेत्र के डिजिटलीकरण पर ध्यान केंद्रित किया। न केवल ज्ञान बढ़ाने के उद्देश्य से शिक्षा में आईसीटी को शामिल करना बल्कि ई-सामग्री, ई-पुस्तक, ई-व्याख्यान आदि को बेहतर बनाना भी है।

9. संदर्भ

I. *बोनिनी, पी. (2020)। जब कल आएगा: उच्च शिक्षा में प्रौद्योगिकी और स्थिरता सीखने का भविष्य। पर्यावरण: विकास के साथ सतत विकास के लिए विज्ञान और नीति, 62(4), 39-48.*

II. *https://doi.org/10.1080/00139157.2020.1764300*

III. *ब्रश, टी., ग्लेज़ेव्स्की, के., और हेव, के. (2008)। प्रीसर्विस शिक्षकों के तकनीकी कौशल, तकनीकी विश्वासों और तकनीकी बाधाओं को मापने के लिए एक उपकरण का विकास स्कूलों में कंप्यूटर, 25, 112-125*

IV. *https://doi.org/10.1080/07380560802157972*

V. *चाई, सी.एस., ह्वे, जे., कोह, एल., और त्साई, सी. (n.d.)। प्रीसर्विस शिक्षकों को तकनीकी शैक्षणिक और सामग्री ज्ञान के विकास में सुविधा प्रदान करना (TPACK)।*

VI. *चक्रवर्ती, बी. (2022)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अवसर, चुनौतियाँ और निहितार्थ (पुस्तक अध्याय)।*

VII. *Digital_MSME_ICT.pdf. (n.d.)। 11 अप्रैल, 2022 को http://www.msme-tc-nr.gov.in/Digital_MSME_ICT.pdf से प्राप्त किया गया*

VIII. *हॉर्सपूल, ए., और लैंग, सी. (2012)। शिक्षण और सीखने की छात्रवृत्ति को लागू करना: छात्र धारणाएँ, व्यवहार और ऑनलाइन और आमने-सामने सफलता। उच्च शिक्षा में मूल्यांकन और मूल्यांकन, 37(1), 73-88।*

IX. *https://doi.org/10.1080/02602938.2010.496532*

Contributor Details:

सुरेंद्र कुमार
शोधार्थी
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी